

चारबाग डिपो क्वार्टर फाइनल में

टेनिस खिलाड़ी कौस्तुभ के सपनों को मिली उड़ान

अमृत विचार, लखनऊ : कप्तान अमरनाथ सहाय की शानदार हैंट्रिक के दम पर चारबाग डिपो ने शुक्रवार को यूपीएसआरटीसी इंटर डिपो नंकाउट क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रीवार्टर फाइनल में एसएम ऑफिस को 79 रनों से हराया और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। अमरनाथ को उनके आंलाराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

कॉर्टिन ताल्लुकेदार्स मैदान पर खेले गए मुकाबले में चारबाग डिपो

यूपीएसआरटीसी इंटर डिपो नंकाउट क्रिकेट टूर्नामेंट

ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार क्रिकेट के तुकसान पर 123 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अमरनाथ सहाय (13) और मोहम्मद अशरफ (57) ने टीम को सधी शुरूआत दी। मध्यक्रम ने भी उपवर्गीय योगदान देकर स्कोर चुनौतीपूर्ण बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उत्तर एसएम ऑफिस की टीम दबाव में रही और चार क्रिकेट खेल के तेल 44 रन

ही बना सकी। अमरनाथ सहाय ने लगातार तीन विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजों को पसंदा बहाया।

अमृत विचार : लखनऊ के दिन के अन्य मुकाबलों में होनाहर टेनिस खिलाड़ी कौस्तुभ सिंह, जो अंडर-14 में देश के नंबर दो खिलाड़ी है, को अब ऑफिस ने पांच विकेट पर 64 रन बनाए, जबकि आलमबाग ने चार क्रिकेट खेल कर लक्ष्य हासिल किया। वहीं यूपीएन सुपर क्रिकेट ने बाराबंकी की सॉन्सरशिप मिली है। इसके बाद उन्हें आधिकारिक प्रेसशिनियों के बिना अपने खेल और अभ्यास पर पूरा ध्यान देने का अवसर मिलेगा।

प्रशिक्षक उबैद ने बताया कि बिंदु 63 रन पर आउट हो गई। स्पॉन्सरशिप किसी युवा खिलाड़ी के लिए बड़ी होती है। कौस्तुभ ने कम उम्र में कई सफलताएं हासिल की हैं—अंडर-14 में मलेशिया में भारत का प्रतिनिधित्व, एशियाई टूर्नामेंट विजेता और भारत की बड़ी धरती प्रतियोगिता फेनेस्ट्रा ओपन में अंडर-14 युगल विजेता। अंडर-16 में उनकी राष्ट्रीय टीमेंग 30वीं हैं और उत्तर प्रदेश में नंबर तीन हैं।

वर्तमान में इरम पब्लिक स्कूल के कक्षा दसवीं का छात्र कौस्तुभ और उन्हें बाले समय में उनसे बड़ी अधिकारियों के उपरांत उत्तर प्रदेश के लिए आकादमी में नियमित अभ्यास करते हैं। उनका लक्ष्य

जूनियर इंटरनेशनल (आईटीएफ) अंडर-18 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना है। स्पॉन्सरशिप मिलने के बाद वह अपनी तैयारियों पर और और ध्यान दे रहे हैं।

कौस्तुभ के पिता संतोष सिंह

ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उप मध्यमीय ब्रेंजेश पाठक ने भी उन्हें प्रत्याहित किया है। परिवार, कोच और अब स्पॉन्सर के सहयोग से कौस्तुभ का आत्मविश्वास बढ़ा है और अनें बाले समय में उनसे बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है।

कोच के साथ कौस्तुभ सिंह। अमृत विचार

छात्रों ने गणितीय मॉडल से रामानुजन को याद किया

मास्कराचार्य, आर्यभट्ट, शकुंतला देवी, मंजुल भार्गव, कापेटकर, ब्रह्मगुप्त, वराहमिहिर को भी किया नमन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ



अपने गणितीय मॉडल के साथ उपस्थित छात्रों।

गणित के कठिन सूत्रों के मॉडल बनाकर विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

मॉडल प्रदर्शित किए गए। बच्चों को

ब्रह्मगुप्त, वराहमिहिर और श्रीनिवास रामानुजन के योगदान से भी अवगत कराया गया।

प्रखर बाजपेई, लक्ष्य, देवांश, द्विवेदी, के सहयोग से मॉडल बनाए।

धर्माश, दिव्यांशी, संगम, यशिका, बनाए।

काव्या, आद्या, निखिल, प्रगेश

देवी, मंजुल भार्गव, कापेटकर,

सिंह, हर्षिता, प्रथमेश पांडेय, क्षेत्र के संगठन मंत्री हेमचंद्र और

प्रदेश निरीक्षक श्रीराम सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह ने बताया कि विद्युत मॉडलों और आकृतियों के माध्यम से बच्चों द्वारा विद्या भारती पूर्ण उत्तर प्रदेश की प्रतिभा का स्थानान्तरण किया जाए।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी,

चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, माल, मलिहाबाद और गोमांझीगंज में कुल 13 शिक्षक अपने मूल विद्यालय की जगह इन केंद्रों पर वर्षों से कार्यरत हैं।

बीआरसी बीकेटी, काकोरी, चिनहट, सोरोजनीनगर, मोहनलालगंज, म